Philippians 1:19-26
फिलिप्पियों १:१९-२६

"Between a Rock and a Hard Joy"
"चट्टान और दृढ़ आनंद के बीच में"

Bryan Chapell
ब्रायन चैपल

October 2nd 2016
अक्टूबर २, २०१६

Theme: Christ's mission enables us to discover the joy that is the strength to really live.
विषय: यीशु मसीह का कार्य हमें आनंद देता है वही हमारी शक्ति है जीने के लिए

I. The need for joy (v20)
आनंद की जरूरत (व् २०)

A. So we need not be ashamed
हमे शर्म महसूस करने की जरुरत नहीं है

B. So Christ not be dishonored
जिसे येशु का अपमान ना हो

II. The fuel for joy (v19)
आनंद का साधन (व् १९)

A. Your prayers
तुम्हारी प्रार्थना

B. Christ's spirit
येशु की आत्मा

III. The life of joy: "Christ" (v21)
आनंद का जीवन: "येशु" (व् २१)

"To live is Christ" means that we have:
"मेरे लिये जीवित रहना मसीह है," मतलब हमारे पास है

A. Christ's Identity (v21a)
येशु की पहचान (व् २१ आ)

B. Christ's perception (v21a)
येशु की अनुभूति (व् २१ आ)-25

C. Christ's purpose (v22-25)
येशु का उद्देश्य (व् २२-२५)

D. Christ's power (v26)
येशु की शक्ति (व् २६)

IV. The hope of joy: “To die is gain” (v21)

आनद की आशा “और मर जाना लाभ है” (व् २१)

A. Nothing between us and Christ
हमारे और येशु के बीच में कुछ भी ना हो

B. Nothing denying us glory with Christ
C. येशु के साथ महिमा करे वह कोई भी नकार नहीं कर सकता

Conclusion:

निष्कर्ष :